LOK SABHA

Friday, April 2, 1971/Chaitra 12, 1893 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[Mr. Speaker *In the Chair*]

MEMBER SWORN

Shri A. Kevichusa (Nagaland)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Nationalisation of General Insurance

*91. SHRI RAMAVATAR SHASTRI : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether any final decision has since been taken to nationalise the General Insurance ; and

(b) if not, the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. R. GANESH) : (a) Government is committed in principle to its earlier decision to nationalise general insurance business.

(b) Does not arise.

श्री रामावतार शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, सरकार की नीति राष्ट्रीयकरण की नीति है। फिर भी अफसोस है कि जनरल इंश्योरेंस के राष्ट्रीयकरण के बारे में अनावश्यक विलम्ब किया जा रहा। तो इस बात को ध्यान में रखते हुए मैं यह जानना चाहता हूं कि इस अनावश्यक विलम्ब के कारण क्या हैं और क्या यह बात सच है कि इस विलम्ब के लिए जो हमारे देश

के इजारेदार पूंजीपति है और जिन के कुछ प्रतिनिधि अभी भी सरकार के अन्दर बच गए हैं या बाहर हैं वह लोग दवाब डाल रहे हैं कि इसका राष्ट्रीयकरण न किया जाये ? अगर यह बात सही है तो उनके इस विरोध को ध्यान में रखते हुए और उनकी मोनोपली को तोड़ने के लिए सरकार अविलम्ब क्यों नहीं कोई राष्ट्रीयकरण की बात तय करती है ?

SHRI K. R. GANESH : Sir, as has been indicated in the reply, the Government is committed in principle to nationalise General Insurance. There is no question of any pressure by any vested interest on a commitment which the Government gave on the floor of the Parliament.

श्री रामावतार शास्त्री : सेठ बिरला द्वारा संचालित रूबी और न्यू एशियाटिक इंश्योरेंस कम्पनीज जो हैं क्या यह बात सही है कि इसके मिसमैनेजमेंट के बारे में कोई आडिट रिपोर्ट सरकार के पास है और अगर है तो उसमें मिसमैनेजमेंट के कौन-कौन से नुक्ते बताए गये हैं और उस रिपोर्ट को पब्लिश करने में क्या दिक्कत है ?

MR. SPEAKER : That is a separate question. I cannot allow it. It is a general question, not a specific question.

श्री रामावतार शास्त्री : उस रिपोर्ट में जब मिसमैनेजमेंट की बात है तो उसको देखते हुए तो आप को नेशनलाइजेशन और जल्दी करना चाहिये और उस रिपोर्ट को पब्लिश करने में कौन सी कठिनाई है ? क्यों नहीं आप उसे पब्लिश कर रहे हैं ?

SHRI K. R. GANESH : On the general question of mismanagement and misuse